

## ಬ&U; ಾ ಯಜ್ಞ ಲ್ಗ ಫಿ ರೆಲೆಜ್ 2019

Jh l rksk ; kno] vkbD, 0, l 0] ukMy vf/kdkjh tuin gki M+ }kjk uxj ikfydk ifjl j gki M+ea^ vki j ,vj fte\*\* dk fujh{k.k fd; k x; kA





सखती

इस्टबिन नहीं रखने वालों के घर से नहीं होगा कलेक्शन, एनजीटी के आदेशों की अवहेलना करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

# अब कूड़ा उठवाने को घरों में रखना होगा नीला व हरा इस्टबिन



मुनीश शर्मा

हापुड़। लोगों को अपने घरों में नीले व हरे दो इस्टबिन रखना अनिवार्य होगा। अगले सप्ताह से नगर पालिका सफाईकर्मी नीले व हरे इस्टबिन में रखे कूड़े का ही कलेक्शन करेंगे। जिन घरों में इस्टबिन नहीं रखे होंगे, उनके घरों से कूड़ा कलेक्शन नहीं होगा और विभागीय कार्यवाही होगी।

शहर में कूड़े की समस्या और उसका निस्तारण पालिका टीम के लिए परेशानी बना हुआ है। कूड़े से निपटने के लिए नगर पालिका प्रयासरत है। अब नगर पालिका ने कूड़ा प्रबंधन की दिशा में नई कवायद शुरू कर दी है। कूड़ा कलेक्शन के लिए घरों में कूड़े की प्रकृति के आधार पर अलग-अलग तरह के दो इस्टबिन रखवाने के आदेश पारित किए हैं। अब घरों से सफाईकर्मी केवल नीले व हरे इस्टबिन में रखे कूड़े को ही कलेक्ट करेगा। नगर पालिका अफसरों की मानें तो अब लोगों को अपने घरों में सूखे व गीले कूड़े के आधार पर नीले व हरे दो इस्टबिन रखने होंगे। बिना नीले व हरे इस्टबिन में रखे कूड़े को सफाईकर्मी लेने से इन्कार कर देगा। इससे लोगों को कूड़ा सफाईकर्मी को देने में परेशानी होगी।

सफाई कर्मचारी कूड़ा लेने से कर सकते हैं मना

लोगों को घरों में नीले व हरे दो इस्टबिन रखने होंगे। इसमें रंग के अनुसार गीले व सूखे कूड़ा को डाला जाएगा। सफाईकर्मी गीले व सूखे कूड़े को ही कलेक्ट करेंगे। ऐसा नहीं होने पर सफाईकर्मी कूड़े को लेने से साफ इन्कार कर देगा।

■ **सूखा व गीला कूड़ा पहुंचेगा एमआरएफ सेंटर** : घरों से गीला व सूखा कूड़ा कलेक्ट करने के बाद सफाईकर्मी कूड़े को सीधे एमआरएफ (मैटरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर) पहुंचाएंगे। यहां पर कूड़े का प्रबंधन किया जाएगा। इससे कूड़े का बेहतर तरीके से निस्तारण हो सकेगा।

■ **एनजीटी के आदेशों की अवहेलना पड़ेगी भारी** : एनजीटी कूड़ा प्रबंधन के लिए पूरी तरह से सख्त है। इस दिशा में भरसक प्रयास भी कर रही है। जिससे कूड़े का बेहतर तरीके से प्रबंधन हो सके। एनजीटी के आदेशानुसार घरों कूड़ा इस प्रकार कलेक्ट किया जाए जिससे उसके निस्तारण कराने में आसानी हो। यदि कोई एनजीटी के आदेशों की अवहेलना करता है उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई भी होना तय है।

■ **हापुड़ नगर पालिका की रैंकिंग में आएगा सुधार** : कूड़ा प्रबंधन की कवायद सफल रहने पर नगर पालिका स्वच्छ हो सकेगी। हर साल नगरों की स्वच्छ सर्वेक्षण सर्वे में भी बेहतर रैंकिंग आएगी। हापुड़ नगर पालिका स्वच्छ शहरों की कतार में शामिल हो सकेगा। हापुड़ नगर पालिका परिषद अन्य नगर पालिका के लिये भी आदर्श बन सकेगी।

6

मुख्य सफाई एवं खाद्य निरीक्षक राजेश कुमार यादव ने बताया कि अगले सप्ताह से घरों से नीले व हरे इस्टबिन से ही कूड़ा कलेक्ट किया जाएगा। अन्यथा उन घरों से कूड़ा कलेक्ट नहीं कराया जाएगा। इससे गीले व सूखे कूड़े को अलग-अलग करने में आसानी होगी।



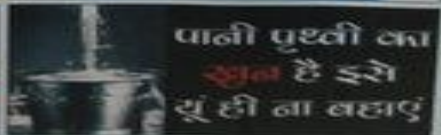


# नगर पालिका परिषद, हापुड़

“जल है तो जीवन है, जल नहीं तो जीवन नहीं”

## जल संरक्षण एवं जल संयोजन के उपाय

- दाढ़ी बनाते समय, ब्रश करते समय, सिंक में बर्तन धोते समय, नल तभी खोले जब सचमुच पानी की जरूरत हो।
- गाड़ी धोते समय पाईप की बजाय बाल्टी व मग का प्रयोग करें, इससे काफी पानी बचता है, साथ ही सड़क पर व्यर्थ न बहाये।
- नहाते समय शॉवर की बजाय बाल्टी एवं मग का प्रयोग करें, काफी पानी की बचत होगी। इस काम के लिए आप भारत रत्न सचिन तेंदुलकर से प्रेरणा ले सकते हैं जो सिर्फ 1 बाल्टी पानी से ही नहाते हैं।
- वाशिंग मशीन में रोज-रोज थोड़े-थोड़े कपड़े धोने की बजाय इकठ्ठे होने पर ही धोएं।
- ज्यादा बहाव वाले फ्लश टैंक को कम बहाव वाले में बदले। सम्भव हो तो बटन वाले फ्लश का टैंक खरीदें। यह पेशाब के बाद थोड़ा पानी और शौच के बाद ज्यादा पानी का बहाव देता है।
- जहाँ कहीं भी नल या पाईप लीक करे तो उसे तुरन्त ठीक करवायें। इसमें काफी पानी बर्बाद होने से रोका जा सकता है।



समस्त सभासद गण

नगर पालिका परिषद, हापुड़



uxj eaty l p; u , oaty l xg.k dh tuxk: drk jyh fudkyrsLdyh cPps  
i kydk dsvf/kdkjh o depkjH

